

---

# Naradaproktam Shivadharmanuvarnamam

---

## नारदप्रोक्तं शिवधर्मानुवर्णनम्

---

### Document Information

Text title : Naradaproktam Shivadharmanuvarnamam

File name : shivadharmAnuvarNanaMnAradaproktam.itx

Category : shiva, shivarahasya

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | harAkhyah tRitIyAMshaH | pUrvArdham | adhyAyaH  
34 | 27-38 ||

Latest update : May 6, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 6, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

## नारदप्रोक्तं शिवधर्मानुवर्णनम्



धर्मैर्परैः विविधैः यत्फलं लभ्यते जनैः ।  
तदीशार्चनसम्प्राप्यं लीलयैव न संशयः ॥ १ ॥

न बहुद्रव्यविलयो न ह्यायासः शिवार्चने ।  
प्राप्यन्ते विपुलान्येव विमलानि फलान्यपि ॥ २ ॥

बिल्वपल्लवमात्रस्य प्रदाने लिङ्गमस्तके ।  
यत्फलं प्राप्यते तत्तु न धर्मान्तरकोटिभिः ॥ ३ ॥

लिङ्गसृष्टिः कृता पूर्व करुणासागरेण हि ।  
त्रिशूलपाणिना सेयमुत्कृष्टा सृष्टिद्भुता ॥ ४ ॥

पुरा कैलासशिखरे सुखासीनं महेश्वरम् ।  
हिरण्यबाहुमीशानं स्वर्णसुन्दरविग्रहम् ॥ ५ ॥

शरद्राकेश्वराकारदुकूलपरिवेष्टितम् ।  
उदारतारहाराणां विहारनिकरं परम् ॥ ६ ॥

जटाजूटतडित्कोटिनिकटेन्दुकलाधरम् ।  
रत्नाभरणशोभाभिः अभितः परिवेष्टितम् ॥ ७ ॥

त्रिलोचनं नीलकण्ठं सोत्कण्ठं गिरिजानने ।  
अप्रमेयमनाद्यन्तं सच्चिदानन्दलक्षणम् ॥ ८ ॥

परमानन्ददं शान्तं मङ्गलानां च मङ्गलम् ।  
पवित्राणां पवित्रं च दैवतानां च दैवतम् ॥ ९ ॥

अप्रधृष्यं भवं भीमं जरामरणवर्जितम् ।  
महामृत्युञ्जयं शर्वं महारुद्रं पिनाकिनम् ॥ १० ॥

भक्तानन्दप्रदं भव्यं दिव्यं विषविभूषितम् ।  
स्मरणेनापि भक्तानां सर्वाभीष्टप्रदायकम् ॥ ११ ॥

गौरीविहारनिरतं प्रसन्नवदनं प्रभुम् ।

शम्भुं विलोक्य गिरिजा प्राह तद्वामभागगा ॥ १२ ॥


॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते नारदप्रोक्तं शिवधर्मानुवर्णनं सम्पूर्णम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । हराख्यः तृतीयांशः । पूर्वार्धम् । अध्यायः ३४। २७-३८ ॥


- .. shrIshivarahasyam . harAkhyah tRRitIyAMshaH . pUrvArdham .  
adhyAyaH 34. 27-38 ..

Proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Naradaproktam Shivadharmanuvarnanam*

pdf was typeset on May 6, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

